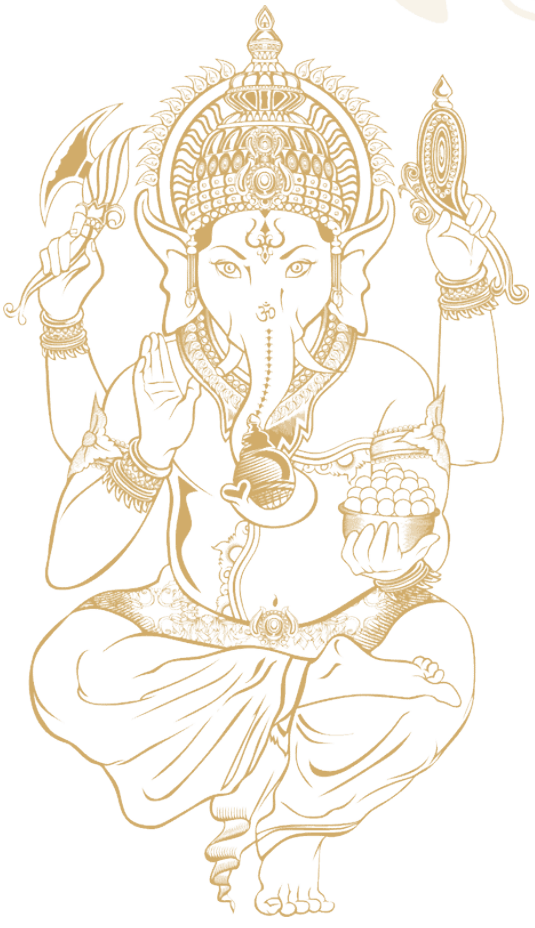

Subodh tripathi

Tanu shukla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121586817

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
1-02/10/1997 :	जन्म तिथि	: 30/09/2001
बुध-गुरुवार :	दिन	: रविवार
घंटे 04:07:00 :	जन्म समय	: 16:45:00 घंटे
घटी 55:45:01 :	जन्म समय(घटी)	: 27:21:08 घटी
India :	देश	: India
Gorakhpur :	स्थान	: Gorakhpur
26:45:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:48:59 :	सूर्योदय	: 05:48:32
17:41:52 :	सूर्यास्त	: 17:44:02
23:49:28 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 3मा 27दि	21:17:24	सिंह	लग्न	कुंभ	24:10:41	गुरु 15वर्ष 9मा 6दि
राहु	14:57:16	कन्या	सूर्य	कन्या	13:29:07	शनि
28/01/2009	17:34:00	कन्या	चंद्र	कुंभ	20:11:36	07/07/2017
29/01/2027	08:17:00	वृश्चि	मंगल	धनु	18:22:58	07/07/2036
राहु 11/10/2011	05:38:59	कन्या	बुध	तुला	05:42:31	शनि 10/07/2020
गुरु 06/03/2014	18:19:59	मक व	गुरु	मिथु	20:04:08	बुध 20/03/2023
शनि 10/01/2017	28:58:01	तुला	शुक्र	सिंह	17:35:37	केतु 28/04/2024
बुध 30/07/2019	23:43:50	मीन व	शनि व	वृष	21:04:55	शुक्र 29/06/2027
केतु 17/08/2020	25:55:53	सिंह व	राहु व	मिथु	07:28:20	सूर्य 10/06/2028
शुक्र 18/08/2023	25:55:53	कुंभ व	केतु व	धनु	07:28:20	चन्द्र 09/01/2030
सूर्य 11/07/2024	10:58:37	मक व	हर्ष व	मक	27:24:28	मंगल 18/02/2031
चन्द्र 10/01/2026	03:22:12	मक व	नेप व	मक	12:12:02	राहु 25/12/2033
मंगल 29/01/2027	09:40:16	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:03:05	गुरु 07/07/2036

लग्न-चलित

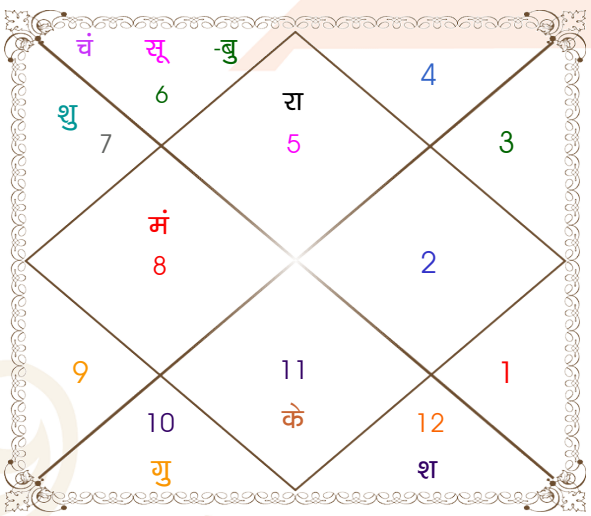

लग्न-चलित

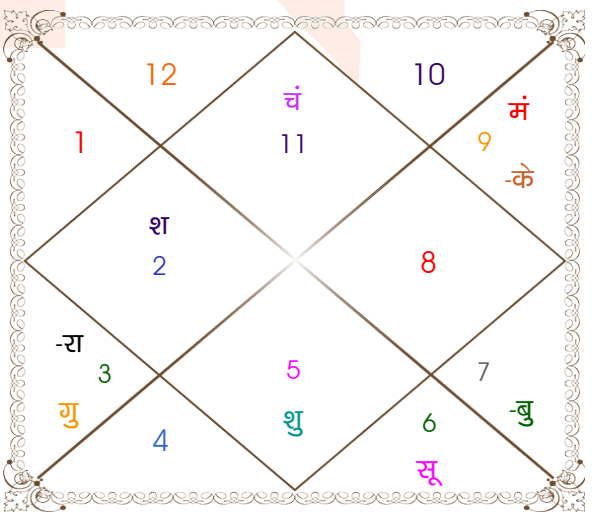

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ैनइवकी जतपचंजीप का वर्ग श्वान है तथा ज्ंदन ेीनासं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैनइवकी जतपचंजीप और ज्ंदन ेीनासं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनइवकी जतपचंजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ैनइवकी जतपचंजीप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैनइवकी जतपचंजीप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ंदन ेीनासं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ज्ंदन ैनासं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ज्ंदन ैनासं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनइवकी जतपचंजीप तथा ज्ंदन ैनासं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।